पाठ 3. ड्राइवर मेजरसिंह

पाठ का परिचय

1 सितंबर, 1965 की घटना है। हमारे पड़ोसी देश पाकिस्तान ने हथियारों से लैस होकर जम्मू और कश्मीर पर धावा बोल दिया। भारत शांतिप्रिय देश रहा है, लेकिन अकारण यदि कोई उसे ललकारे तो वह चुप बैठने वालों में से नहीं है। उस समय इस देश के बच्चे, बूढ़े, जवान सभी देश की रक्षा में अपनी जान की बाज़ी लगाने को आगे आ जाते हैं। जम्मू और कश्मीर से सटा राज्य है, पंजाब। देश पर हुए आक्रमण से पंजाब का हर नागरिक जागृत हो गया। पंजाब की महिलाएँ देश की सरहद पर लड़ रहे फ़ौजियों के लिए दिनभर रोटियाँ सेंकतीं और उनके पति, जिनके पास ट्रक थे, वे सारा सामान सैनिकों के ठिकानों तक पहुँचाते। इन्हीं ट्रकों में से एक ट्रक का ड्राइवर था मेजरसिंह। उसकी सबसे बड़ी लालसा यह थी कि लाहौर पर भारत का तिरंगा फहरा दिया जाए। जैसे ही सेना लाहौर के करीब पहुँची, मेजरसिंह ने अपनी ड्यूटी सँभाल ली। वह खतरे से खेलता आगे बढ़ता चला जा रहा था कि उसका ट्रक गोलाबारी का निशाना बन गया। इस प्रकार वह मातृभूमि की रक्षा में शहीद हो गया।

पाठ का वाचन

पाठ की शुरुआत देश के लिए शहीद हुए कुछ विशिष्ट व्यक्तियों की बातों से करें। उसके बाद ड्राइवर मेजरसिंह का संक्षिप्त परिचय दें। एक साधारण ट्रक ड्राइवर होते हुए भी देश की सेवा में शहीद होने वाले इस वीर की कहानी संक्षेप में सुनाते हुए पाठ का वाचन आरंभ करें।

- बच्चों से एक-एक अनुच्छेद पढ़वाएँ।
- बीच-बीच में उनसे प्रश्न भी पूछते रहें और कठिन शब्दों के अर्थ बताएँ।
- आवश्यक पंक्तियों का आशय स्पष्ट करें।

महत्वपूर्ण चर्चा

बच्चों से निम्नलिखित प्रश्न पूछकर चर्चा करें –

- देशभक्ति किसे कहते हैं?
- देशभक्ति के क्या-क्या रूप हो सकते हैं?
- क्या एक साधारण-सा व्यक्ति भी देशभक्ति का परिचय दे सकता है?
- तुम देशभक्त बनने के लिए क्या-क्या कर सकते हो?